क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 283, बुधवार, 07 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

happy diwali

सार समाचार

गुरुग्राम : ओल्ड दिल्ली रोड की बाधा खत्म, जल्द शुरू होगा निर्माण

गुरुग्राम, एजेंसी। वन एवं पर्यावरण विभाग की औपचारिकता में उलझे दिल्ली रोड की सभी बाधाएं अब दूर हो गई हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने सोमवार देर शाम इस सड़क के किनारे लगे पेड़ों को काटने की अनुमति दे दी है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भारत सरकार के कैंपा खाते में लगभग 13 करोड़ रुपये जमा करने के आदेश दिए हैं। इस आदेश के बाद लोक निर्माण विभाग ने नगर निगम से यह राशि हासिल कर कैंपा खाते में जमा कराने की कवायद शुरू कर दी है। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता चंद्रमोहन के मुताबिक, अगले तीन दिन में यह राशि जमाकर पेड़ काटने का काम शुरू कर दिया जाएगा। वहीं इसी महीने सड़क के चौड़ीकरण, सुधारीकरण और नाला निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जून 2015 में इस सड़क का शिलान्यास किया था। इस सड़क का काम 18 माह में पूरा होना था, लेकिन वन विभाग की अड़चन की वजह से काम बीच में रोकना पड़ा था।

फरीदाबाद : स्मार्ट सिटी में पहली बार बिना पटाखे मनाई जाएगी दिवाली!

फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हानिकारक पटाखों पर लगाए गए बैन का असर स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में भी साफ देखा जा सकता है। पटाखों पर बैन के बाद माना जा रहा है कि पहली बार यहां बिना पटाखों के दिवाली मनेगी, क्योंकि जिला प्रशासन ने अभी तक किसी को भी पटाखे बेचने का लाइसेंस जारी नहीं किया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि इस बार दिवाली या अन्य किसी भी त्योहार पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के अलावा अन्य कोई पटाखे नहीं बेचे जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर ग्रीन पटाखे चलाने की छूट मात्र दो घंटे के लिए दी है। जबकि बाजार में अभी ग्रीन पटाखे उपलब्ध ही नहीं है। इसके चलते ग्रीन पटाखों के लाइसेंस के लिए किसी ने आवेदन भी नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि जिन पटाखों का निर्माण पहले से हो चुका है, उन्हें इस त्योहारी मौसम में सिर्फ देश के अन्य भागों में बेचा जा सकता है। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने 23 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा था कि दिवाली और अन्य त्योहारों में पटाखे सिर्फ शाम आठ बजे से रात दस बजे तक दो घंटे के लिए जलाए जा सकेंगे।

लड़कियों के कपड़े उतरवाने पर सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल और टीचर सस्पेंड

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के फाजिल्का जिले में एक सरकारी बालिका विद्यालय में छात्राओं के कपड़े उतरवा कर जांच करने की कथित घटना के सिलसिले में स्कूल की प्रिंसिपल और एक महिला टीचर को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एक जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने सोमवार रात को प्रिंसिपल और एक महिला टीचर को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए। जांच में पाया गया है कि यह घटना स्कूल के शिक्षकों की ओर से बरती गई घोर लापरवाही, उदासीनता और संवेदनहीनता का एक मामला है। प्रवक्ता ने बताया कि स्कूल की प्रिंसिपल कुलदीप कौर और टीचर ज्योति को मुख्यमंत्री के निर्देश पर सस्पेंड कर दिया गया है।

लखनऊ। विपुल खंड (गोमतीनगर) में सहारा शहर के समीप स्थित श्री श्री तत्व पंचकर्म वेलनेस सेंटर के उद्घाटन अवसर पर फीता काटते हुए प्रदेश के आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी, सहारा इंडिया परिवार के प्रबंध कार्यकर्ता एवं चेयरमैन सहाराश्री सुब्रत रॉय सहारा, श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या, परिवार कल्याण मंत्री डा. रीता बहुगुणा जोशी, ग्राम्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. महेन्द्र सिंह व सहारा इंडिया परिवार के अधिशासी निदेशक कार्यकर्ता श्री अशोक रॉयचौधरी।

दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस यमुना पर एलिवेटेड होगा, दिल्ली सरकार और शहरी विकास मंत्रालय में असमंजस

नई दिल्ली। दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को यमुना पर टनल के जरिए बनाए जाने के बजाय एलिवेटेट रूप से बनाया जाएगा। दिल्ली सरकार इसे टनल के रास्ते बनाना चाहती है, जबकि शहरी विकास मंत्रालय ऊपर ही रखना चाहता है। इससे परियोजना पर लगभग 4500 करोड़ रुपये की बचत होगी। इस बारे में शहरी आवास व विकास मंत्रालय ने दिल्ली सरकार को पत्र भी लिखा है। दिल्ली मेरठ आरआरटीस दिल्ली के निजामुद्दीन से मेरठ के बीच बनाया जाना है। इसको इस तरह से तैयार किया जा रहा है जिससे दिल्ली-अलवर व दिल्ली -पानीपत को भी एक साथ जोड़ा जा सके। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि इस परियोजना में सरकार चाहती है कि मेरठ से निजामुद्दीन के बीच में यमुना पर रेल लाइन को टनल के जरिए लाया जाए, जबकि मंत्रालय एलिवेटेड रखना चाहता है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परियोजना की लागत बढ़ने पर उसका खर्च भी आम आदमी पर पड़ेगा, क्योंकि बाद में किराया भी उसी हिसाब से तय करना होगा। उन्होंने कहा कि 83 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक को केंद्र व राज्य पचास 50% की हिस्सेदारी पर बनाएगा। उत्तर प्रदेश ने इसके लिए सहमति दे दी है। दिल्ली ने भी सिद्धांत: सहमति दी है, लेकिन उसकी धन की समस्या है। सिग्नेचर ब्रिज को लेकर राजनीति पर हरदीप पुरी ने कहा कि इस बारे में कोई विवाद नहीं है। यह ब्रिज बेजोड़ है। मनोज तिवारी के मामले पर उन्होंने कहा कि वे स्थानीय सांसद हैं उनको बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने इस मामले पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के इस बयान का भी उल्लेख किया कि यह प्रक्रिया 2006 से चल रही थी। यह ब्रिज किसी पार्टी का नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता का है।

कर्नाटक उपचुनाव नतीजे: 4:1 से जीता सत्ताधारी गठबंधन, कांग्रेस ने कहा- ये है 2019 की झलक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में तीन लोकसभा और दो विधानसभा सीटों के लिए हुए उप-चुनाव में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने बीजेपी के मुकाबले शानदार 4:1 जीत दर्ज की है। इस चुनाव में गठबंधन ने बीजेपी को बड़ा झटका देते हुए करीब डेढ़ दशक तक उसका गढ़ रही बेल्लारी सीट को उससे छीन लिया।

चार सीट पर गठबंधन की शानदार जीत

कांग्रेस ने इसे अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले का टीजर करार दिया है। गठबंधन के प्रत्याशी ने दो लोकसभा और दो विधानसभा सीट यानि जमखंडी, रामनगर विधानसभा और बेल्लारी, मांड्या संसदीय क्षेत्र पर जीत दर्ज की है।

बेल्लारी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के वीएस उगरप्पा ने बीजेपी उम्मीदवार जे. शांता को करीब एक लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से मात दी। जमखंडी में कांग्रेस के एएस न्यामगौडा ने बीजेपी के सुबाराव को 39,480 मतों के अंतर से हराया। बेल्लारी लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी वी एस उगरप्पा 2,43,161 मतों के अंतर से विजयी हुए। उन्होंने भाजपा की जे शांता को हराया जो रेड्डी बंधुओं के मुख्य सहयोगी तथा इसी सीट से पूर्व सांसद बी श्रीरामुलु की बहन हैं। इस साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में जीत के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी बीजेपी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने के बाद कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण टेस्ट माना जा रहा था।

रामनगर विधानससभा सीट पर मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी की पत्नी अनिता कुमारस्वामी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के एल. चंद्रशेखर पर 1,09,137 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

चंद्रशेखर ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था लेकिन आधिकारिक तौर पर वह पार्टी के उम्मीदवार बने रहे। चंद्रशेखर चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे।

चिंताजनक : चांदनी चौक की हवा सबसे जहरीली, वायु गुणवज़ा सूचकांक 558 दर्ज

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 426 रहा। यहां चौबीस घंटे के भीतर 255 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक में 401 से ऊपर के स्तर को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। यहां चौबीस घंटे के भीतर 255 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक में 401 से ऊपर के स्तर को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली से दो दिन पहले ही धुंध की चादर बिछ गई। सोमवार को राजधानी में इस सीजन की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई।

भीड़भाड़ के लिए मशहूर चांदनी चौक की हवा सबसे जहरीली रही। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 558 दर्ज किया गया, जिसे आपात श्रेणी माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगले तीन-चार दिनों में वायु गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है।

सेहत के लिए घातक: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 426 रहा। यहां चौबीस घंटे के भीतर 255 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक में 401 से ऊपर के स्तर को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। ऐसी हवा को खासतौर पर सांस व हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद घातक माना जाता है।

सघन इलाकों में खतरा ज्यादा: विशेषज्ञों के मुताबिक, ज्यादा सघन इलाकों में धुंध के कण फंस जाते हैं। यहां पर प्रदूषक कण ज्यादा देर तक ठहरे रह सकते हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने प्रदूषण अचानक से बढ़ने के पीछे हवा की दिशा में बदलाव को जिम्मेदार बताया है जो पश्चिमोत्तर क्षेत्र से उत्तर की ओर बह रही है। यह पड़ोसी राज्यों से पराली जलने से उठने वाले धुएं और धूल को ला रही है।

प्रशासन की सख्ती: हवा साफ करने के लिए क्लीन एयर अभियान शुरू किया गया है। 52 से ज्यादा टीमें अभियान चला रही हैं।

बीते चार दिनों में प्रदूषण रोकने के नियमों का उल्लंघन करने पर डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूल किया गया है। यातायात पुलिस को प्रदूषण जांच के सख्त निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के थौरेसिस सर्जन श्रीनिवास के. गोपीनाथ के मुताबिक मरीजों के लिए दिल्ली की हवा सजा-ए-मौत की तरह है।

पांच प्रमुख वजहें

- 33% प्रदूषण सोमवार को पराली जलाने की वजह से
- पश्चिमी विक्षोभ के हिमालय से टकराने से हवा में 80% नमी
- तापमान में गिरावट से धुंध धुएं से मिलकर स्मॉग बन रहा
- वाहनों की भारी तादाद पैदा कर रही 40 फीसदी तक प्रदूषण
- सड़कों पर पानी का छिड़काव नहीं होने से धूल उड़ रही

योजना

देश के विशेषज्ञों की 47 टीमें तैयार कर रहीं सिलेबस

यूजीसी बदलेगा विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम

हरिद्वार, (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) पूरे देश के विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम बदलने जा रहा है। इसके लिए यूजीसी ने देशभर के विशेषज्ञों की 47 टीमें गठित की हैं। ये विशेषज्ञ वर्तमान आवश्यकता के हिसाब से पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। पतंजलि योगपीठ में चल रहे ज्ञानकुंभ में पहुंचे यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की उच्च शिक्षा में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने बताया कि बदलावों के तहत अब किसी भी कुलपति के चयन के बाद उनका देश-विदेश में एक माह का प्रशिक्षण होगा। कुलपति पद के संभावित दावेदारों को भी यूजीसी की ओर से पहले ही प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे बेहतर साबित हो सकें। इसके अलावा किसी भी विवि या कॉलेज में जो भी शिक्षक नियुक्त होंगे, उन्हें न केवल विषय आधारित बल्कि एक आदर्श शिक्षक के तौर पर यूजीसी की ओर से प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शोध को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार और यूजीसी प्रतिबद्ध है। गढ़वाल विवि से पीएचडी करने वाले यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के किसी काम आने पर उन्हें खुशी होगी। वह हिमालयी राज्यों के करीब 140 विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं।

जीडीपी का केवल 0.6 प्रतिशत शोध में

यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि देश की कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का महज 0.6 से 0.7 प्रतिशत ही शोध कार्यों में खर्च होता है। जबकि चीन में 2.1, इजराइल में 4.3 और कोरिया में 4.2 प्रतिशत हिस्सा शोध कार्यों में खर्च किया जाता है। ऐसे में भारत जैसे देश में शोध की बेहद कमी है। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय स्वायत्त हैं। लिहाजा वे अपने स्तर पर शोध कराएं, जो देश के काम आए।

विश्वस्तरीय शोध जर्नल भी निकालेंगे

यूजीसी के चेयरमैन ने इस बात पर चिंता जताई कि देश में चुनिंदा रिसर्च जनरल को छोड़कर बाकी शोध रिपोर्ट प्रकाशित कराने के लिए विदेशी रिसर्च जनरल पर ही निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के आईआईटी, आईआईएससी जैसे संस्थानों से भविष्य में ऐसे रिसर्च जनरल प्रकाशित किया जाएंगे, जिनमें विदेशी वैज्ञानिक भी अपनी शोध रिपोर्ट प्रकाशित कराएं।

फरीदाबाद : स्मार्ट सिटी में पहली बार बिना पटाखे मनाई जाएगी दिवाली!

फरीदाबाद। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा हानिकारक पटाखों पर लगाए गए बैन का असर स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में भी साफ देखा जा सकता है।

पटाखों पर बैन के बाद माना जा रहा है कि पहली बार यहां बिना पटाखों के दिवाली मनेगी, क्योंकि जिला प्रशासन ने अभी तक किसी को भी पटाखे बेचने का लाइसेंस जारी नहीं किया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि इस बार दिवाली या अन्य किसी भी त्योहार पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के अलावा अन्य कोई पटाखे नहीं बेचे जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर ग्रीन पटाखे चलाने की छूट मात्र दो घंटे के लिए दी है। जबकि बाजार में अभी ग्रीन पटाखे उपलब्ध ही नहीं है। इसके चलते ग्रीन पटाखों के लाइसेंस के लिए किसी ने आवेदन भी नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि जिन पटाखों का निर्माण पहले से हो चुका है, उन्हें इस त्योहारी मौसम में सिर्फ देश के अन्य भागों में बेचा जा सकता है। एसडीएम अजय चोपड़ा ने बताया कि शहर में किसी भी दुकानदार को किसी तरह के पटाखे बेचने का लाइसेंस नहीं दिया गया है। नागरिक ग्रीन पटाखे भी सिर्फ दो घंटे ही फोड़ सकते हैं।

पुलिस को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर अमल करवाने के लिए आदेश दिए गए हैं। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने 23 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा था कि दिवाली और अन्य त्योहारों में पटाखे सिर्फ शाम आठ बजे से रात दस बजे तक दो घंटे के लिए जलाए जा सकेंगे।

कोर्ट ने 23 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा था कि यदि ई-कॉमर्स कंपनियां अदालत के निर्देश का पालन नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ अवमानना का मुकदमा चलाया जाएगा। यदि प्रतिबंधित पटाखे बिकते हैं तो उस थाना क्षेत्र के प्रभारी को इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा।

सबरीमाला मंदिर में सोमवार को पूजा करते मंदिर के पुजारी।

संपादकीय

साधु-संतों के सम्मेलन

राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में साधु-संतों के सम्मेलन से निकली गूंज ने तत्काल अयोध्या मामले को परवान चढ़ाने में भूमिका अदा की है। धर्मादेश के नाम से बैनर का होना साबित कर रहा था कि इसके आयोजन के पूर्व काफी सोच-विचार किया गया है। संतों ने प्रस्ताव पारित कर सरकार और सभी राजनीतिक पार्टियों को धर्मादेश दिया है कि अयोध्या में मंदिर निर्माण का रास्ता शीघ्र प्रशस्त करें। इसके लिए लगातार अभियानों और कार्यक्रमों की घोषणाएं हो गई हैं। वास्तव में सम्मेलन से जैसा स्वर निकलने की उम्मीद थी, वही निकला है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई को जनवरी तक टालने के विरुद्ध साधु-संतों ने पहले भी बयान दिया था। अब संत सम्मेलन में उसे औपचारिक रूप दे दिया है। साफ है कि मोदी सरकार के कार्यकाल का अंतिम चरण देखकर मंदिर समर्थक दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। मंदिर निर्माण के लिए लंबे समय बाद संतों का कोई बड़ा सम्मेलन राजधानी दिल्ली में हुआ है। अब बड़ी धर्मसभाएं एवं जिलास्तरीय सभाएं भी होंगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पहले ही कह चुका है कि आवश्यकता हुई तो मंदिर के लिए फिर आंदोलन किया जाएगा। प्रश्न है कि आगे होगा क्या? संघ, विहिप तथा साधु-संतों ने कानून बनाकर मंदिर निर्माण के लिए रास्ता बनाने की जो मांग की है, उसे सरकार न आसानी से स्वीकार कर सकती है, और न ही नकार सकती है। सरकार में होने के कारण संसद में विधेयक लाने या अध्यादेश जारी करने के पूर्व भाजपा के सामने अनेक प्रश्न हैं। हालांकि प्रमुख विपक्षी दल इस पर स्पष्ट मत व्यक्त करने से बचने का आचरण कर रहे हैं। इससे भी मोदी सरकार की कठिनाइयां बढ़ी हैं। अगर ये स्पष्ट तौर पर अध्यादेश या विधेयक का विरोध या समर्थन कर देते तो भाजपा के लिए निर्णय करना आसान होता। विरोध करने को वह राजनीतिक रूप से भुनाती तथा समर्थन करने के बयानों के बाद विधेयक ले आती। किंतु मोदी सरकार को इस ऊहापोह से बाहर आना होगा। लंबे समय तक खामोश रहने से मामला फिर से ठंडे बस्ते में नहीं जाने वाला। मंदिर मुद्दा देश के सतह पर आ चुका है। वैसे भी इस विवाद का समाधान तो होना चाहिए। अनंतकाल तक किसी मामले का लटकाए नहीं रखा जा सकता। अच्छा हो मोदी सरकार अनिर्णय की स्थिति से बाहर आए। समाधान की पहल करे। इसमें पहला कदम सुप्रीम कोर्ट में मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए अपील करना हो सकता है।

क्रांतिकारी कहने पर बवाल

वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राज बब्बर द्वारा नक्सलियों को क्रांतिकारी कहने पर बवाल मचना ही था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस का इतना बड़ा नेता नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़ में इस तरह का बयान दे रहा है। अगर उनका इरादा इससे कांग्रेस को चुनावी लाभ दिलाना हो तो यह संभव नहीं। इसके ठीक विपरीत परिणाम हो सकते हैं। जो प्रदेश नक्सलवाद की बेरहम हिंसा से पीड़ित हैं, वहां के लोगों के अंदर ऐसे बयान के खिलाफ जाना बिल्कुल स्वाभाविक है। राज बब्बर कह रहे हैं कि वे लोग क्रांति के लिए निकले हैं। उन्हें रोक नहीं सकते हैं। यह किसी फिल्म का कथानक नहीं है कि आप ऐसे डायलॉग बोलकर दर्शकों से ताली पिटवा लेंगे। लोग नक्सलियों की हिंसा से त्रस्त हैं। यह कहना कि जो अभाव में होता है, जिन लोगों को उनका अधिकार नहीं मिलता, जिनका अधिकार छीना जाता है, कुछ ऊपर वाले लोग उनका अधिकार छीनते हैं तो वे अपने प्राणों की आहुति देते हैं उन सारे लोगों का अपमान है, जिन्होंने इस उन्मादी हिंसा से संघर्ष में अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। भारत में गरीबी में जीने वालों की बड़ी संख्या है, जो अनेक मामलों में मानवीय अधिकारों से वंचित होते रहते हैं। तो क्या उन सबको भी हथियार उठा लेना चाहिए? हालांकि यह कांग्रेस का अधिकृत रुख नहीं रहा है। पता नहीं राज बब्बर यह कैसे भूल गए कि इन्हीं नक्सलियों ने घात लगाकर एक साथ कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की नृशंसता से हत्या कर दी थी। स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी यह बयान रास नहीं आ सकता है। वास्तव में इस तरह का बयान गैर जिम्मेवार ही नहीं, खतरनाक है। इससे नक्सलियों की हिंसा और सारी संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट कर अराजकता पैदा करने के लिए किए जा रहे अमानवीय संघर्ष को वैधता मिलती है। इसे नक्सली अपने समर्थन में उद्धृत कर सकते हैं। अच्छा हो कांग्रेस इसका जल्द-से-जल्द खंडन करे और ऐसे नेताओं को नसीहत दे कि देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने हिंसक अभियान पर सोच-समझकर बयान दें। किसी पार्टी की सरकार हो नक्सल समस्या सभी के लिए समान है। जब तक उनके हाथों में हथियार है, उनका सामना हथियार से ही किया जा सकता है। यह संभव नहीं कि कोई भी सरकार हथियार का सामना फूल की माला से करे।

वीजा के लिए आवेदन और सख्त

डीएचएस ने कहा कि वह अमेरिकी कामगारों और उनके वेतन-भत्तों के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजगार और नियोक्ता-कर्मचारी संबंध की परिभाषा को भी संशोधित करेगा। अमेरिकी सरकार ने कहा कि एच1बी वीजाधारकों को नियोक्ताओं से उचित वेतन सुनिश्चित करने के लिए गृह सुरक्षा विभाग और भी कदम उठाएगा। निश्चित रूप से अमेरिका के कदम से भारत की आईटी कंपनियों पर खासा असर पड़ेगा। भारतीय मूल के अमेरिकियों के स्वामित्व वाली छोटी तथा मध्यम आकार की कंपनियां भी इससे प्रभावित होंगी। एच1बी वीजा नियमों में बदलाव को अमेरिका में आईटी कंपनियों के संगठन आईटीसर्व अलायंस ने चुनौती दी है। पहले एच1बी वीजा 3 साल के लिए दिया जाता था।

सतीश पेडणोकर

एक नवम्बर, 2018 से अमेरिका के श्रम मंत्रालय ने एच1बी वीजा के लिए आवेदन की प्रक्रिया और सख्त कर दी है। अब अमेरिकी कंपनियों को बताना पड़ेगा कि उनके यहां पहले से कितने विदेशी कर्मचारी हैं। यह इस लिहाज से महत्त्वपूर्ण है कि वीजा आवेदन पर पहले श्रम मंत्रालय की मंजूरी लेनी पड़ेगी। मंत्रालय सर्टिफिकेट देगा कि जिस काम के लिए वीजा लिया जा रहा है, उसे करने के लिए अमेरिका में कोई कर्मचारी उपलब्ध नहीं है। इसी तरह अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और अमेरिकी नागरिकता आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) द्वारा संकेत दिया गया है कि अमेरिका एच1बी वीजा नीति में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। एच1बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच खासा लोकप्रिय है। यह गैर-प्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में विदेशी कर्मचारियों की भर्ती की अनुमति देता है। एच1बी वीजा नीति में बदलाव के संबंध में जनवरी, 2019 तक नया प्रस्ताव लाने की योजना है। इसका उद्देश्य विशेष व्यवसाय की परिभाषा को संशोधित करना है ताकि एच1बी वीजा कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर और प्रतिभाशाली विदेशी नागरिकों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। डीएचएस ने कहा कि वह अमेरिकी कामगारों और उनके वेतन-भत्तों के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजगार और नियोक्ता-कर्मचारी संबंध की परिभाषा को भी संशोधित करेगा। अमेरिकी सरकार ने कहा कि एच1बी वीजाधारकों को नियोक्ताओं से उचित वेतन सुनिश्चित करने के लिए गृह सुरक्षा विभाग और भी कदम उठाएगा। निश्चित रूप से अमेरिका के कदम से भारत की आईटी कंपनियों पर खासा असर पड़ेगा। भारतीय मूल के अमेरिकियों के स्वामित्व वाली छोटी तथा मध्यम आकार की कंपनियां भी इससे प्रभावित होंगी। एच1बी वीजा नियमों में बदलाव को अमेरिका में आईटी कंपनियों के संगठन आईटीसर्व अलायंस ने चुनौती दी है। पहले एच1बी वीजा 3 साल के लिए दिया जाता था, लेकिन अब अमेरिका कम अवधि के लिए भी यह वीजा दे रहा है। इसको लेकर संगठन ने यूएससीआईएस के खिलाफ याचिका दायर की है। आईटीसर्व 1,000 से ज्यादा छोटी आईटी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें ज्यादातर का संचालन भारतीय अमेरिकी करते हैं। टेक्सास स्थित आईटीसर्व अलायंस ने अपनी याचिका में कहा है कि यूएससीआईएस अब कम अवधि के भी एच1बी वीसा जारी कर रही है। इनकी वैधता कुछ माह या दिन की होती है। कई बार तो बाकी मंजूरी मिलने तक वीसा की अवधि खत्म हो जाती है। आईटीसर्व का कहना है कि यूएससीआईएस के पास वीसा की अवधि कम करने का कोई अधिकार नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका ने एच1बी वीजा में बदलाव की तैयारी के नये अभियान के पहले भी 1 अक्टूबर, 2018 से एच1बी वीजा नियम सख्त किए हैं। जिनके वीजा की मियाद खत्म हो गई है, या स्टेटस बदल गया है, उन्हें देश से बाहर निकाला जा सकता है। इसका भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। जिन लोगों को वीजा बढ़ाने से इनकार किया गया उनमें भारतीय ज्यादा हैं। वीजा देने की यह व्यवस्था 1990 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने शुरू की थी। इसका उद्देश्य अमेरिका में दुनियाभर से प्रतिभावान लोगों को काम के लिए बुलाना था, ताकि देश की उत्पादकता बढ़ाई जा सके। उल्लेखनीय है कि अमेरिका हर साल 85,000 विदेशियों को एच1बी वीजा जारी करता है। इनमें 20,000 अमेरिकी यूनिवर्सिटी से मास्टर्स डिग्री वालों के लिए हैं। वर्ष 2017 में 67,815 वीजा भारतीयों को दिए गए हैं। इनमें से 75.6 फीसद आईटी प्रोफेशनल्स को मिले। लेकिन अब वर्ष प्रति वर्ष एच-1बी वीजा स्वीकृति की संख्या घटती जा रही है। यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका में एच1बी वीजा के अलावा भारतीय पेशेवरों को प्रभावित करने वाले कुछ अन्य वीजा प्रस्तावों को भी समाप्त करने या कठोर करने के प्रस्ताव सामने आए हैं। अमेरिका में डोनॉल्ड ट्रंप सरकार ने एच1बी वीजाधारकों के जीवनसाथियों के लिए कार्य परमिट के लिए दिए जाने वाले एच4 वीजा को खत्म करने की योजना को अंतिम रूप दिया है। ऐसे में अब अमेरिका में यदि पति के पास एच1बी वीजा है, तो पत्नी को भी कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह पत्नी के पास एच1बी वीजा होने पर पति को कार्य परमिट नहीं मिलेगा। माना जा रहा है कि इस कदम से करीब 64 हजार से अधिक पेशेवरों को काम की अनुमति नहीं मिलेगी। गौरतलब है कि 2015 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जीवनसाथी को कार्य परमिट देने का फैसला हुआ था। इस आधार पर हुआ था कि एच1बी वीजाधारक उच्च गुणवत्ता वाले पेशेवर के साथ उसका जीवनसाथी भी अमेरिका में रहकर कार्य कर सकता है। इससे सर्वाधिक फायदा भारतीय पेशेवरों को हुआ। निश्चित रूप से इस समय अमेरिका में भारत के कुशल पेशेवरों की वीजा संबंधी कठोरता के कारण मुश्किलें और चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। खास तौर से अमेरिका में सरकार की बाय अमेरिका, हायर अमेरिकन नीति के तहत नई-नई वीजा संबंधी कठोरता भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाती दिख रही है। इस समय एच1बी वीजा में बड़े बदलाव की अमेरिकी योजना को रोकने के लिए भारत द्वारा अमेरिका में आईटी कंपनियों के संगठन आईटीसर्व अलायंस के अभियान को पूरा समर्थन दिया जाना होगा। भारत को ट्रंप सरकार के समक्ष यह मुद्दा उठाना होगा। भारत द्वारा विश्व व्यापार संगठन के साथ-साथ अमेरिका के प्रभावशाली प्रवासी भारतीयों और भारत के हित चिंतक प्रबुद्ध वर्ग के माध्यम से भी वीजा प्रतिबंधों का जोरदार विरोध किया जाना जरूरी होगा। ऐसे प्रयासों के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति को 18 अक्टूबर को उनके द्वारा दिया गया वक्तव्य याद दिलाना होगा कि अमेरिका में सिर्फ वो लोग ही आ सकते हैं, जो अमेरिका की मदद कर सकते हों। इस वक्तव्य का समर्थन करते हुए भारत को बताना होगा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कार्यरत सबसे योग्य और ईमानदार पेशेवर हैं, और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में आगे हैं।

चलते चलते

छोटी दिवाली, फिर बड़ी दिवाली।

दिवाली विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेता निबंधकुल मिलाकर दिवाली का ताल्लुक धन से है, लक्ष्मी से है। पहले धनतेरस, फिर छोटी दिवाली, फिर बड़ी दिवाली। धनतेरस का इंतजार आम आदमी करता है, इस उम्मीद पर कि धनतेरस पर धन का जुगाड़ हो जाए पर परम पुरुषार्थी पुरुष धन हासिल करने के लिए किसी तिथि, तेरस या चौदस का इंतजार नहीं करते, वो तो सतत धन धनाधनकारी पुरु षार्थ करते रहते हैं। बैंकों के धन को अपना बना लेते हैं, और कोई देश ही खरीद लेते हैं, नीरव मोदी, मेहुल चौक की कसम। अर्थ का ही अर्थ है, बाकी सब व्यर्थ, यही संदेश दिवाली देती है। दाऊद इब्राहीम से लेकर चौकसी, नीरव मोदी को भले ही हम भारत वापस ना ला पाएं, पर यह गौरव तो बना ही रहेगा कि

पहले धनतेरस, फिर छोटी दिवाली, फिर बड़ी दिवाली। धनतेरस का इंतजार आम आदमी करता है, इस उम्मीद पर कि धनतेरस पर धन का जुगाड़ हो जाए पर परम पुरुषार्थी पुरुष धन हासिल करने के लिए किसी तिथि, तेरस या चौदस का इंतजार नहीं करते, वो तो सतत धन धनाधनकारी पुरुषार्थ करते रहते हैं।

इन भारतीयों ने कितने देशों की सरकारों और बैंकों को अपनी जेबों में डाला हुआ है। दिवाली के मौके पर खाता-बही की पूजा की जाती है। खाता-बही का सिद्धांत है कि रकम कहीं से निकलेगी, तब ही तो कहीं जमा होगी। बिल्डर मकान के नाम पर आम आदमी से वसूलता है, किसी फिल्मी स्टार को, किसी क्रिकेट स्टार को अपना ब्रांड अंबेसडर बनाता है, इस ब्रांड अंबेसडर की जेब में पैसा आ जाता है। इसलिए कि ये सतत पुरु षार्थी हैं। आम आदमी पैसा कमाने को बहुत बड्डी समस्या मानता है, जबकि खास आदमी समस्या से ही बहुत बड्डी रकम कमा लेता है। एक वरिष्ठ सांसद खराब पानी की समस्या से कमाती हैं। अब प्रदूषित हवा से भी कमाने का जुगाड़ कर चुकी हैं, बताती हैं कि फलां एयर प्यूरीफायर सिस्टम लाकर हवा साफकरो। आम आदमी को डरना चाहिए जब एयर प्यूरीफायर और वाटर प्यूरीफायर की मॉडलिंग करने वाले लोग अपनी कमाई की बढ़ोतरी की प्रार्थना करें।

सतत धन धनाधन तो आखिर में फ्रॉडों का, ब्रांड एंबेसडरों का ही होना है। बाकी आम आदमी को नकली खोये की मिठाई खाकर असली बीमारी पालने की छूट दिवाली का त्योहार देता है। इससे भी हैप्पी ना हो तो दिवाली के आसपास बीस हजार का फोन डिस्काउंट पर पच्चीस हजार का खरीद सकता है, क्योंकि उसकी ऑफिशियल कीमत पचास हजार बता कर डिस्काउंटित कीमत पच्चीस हजार कर दी गई थी।

दूरदर्शिता का अभाव

समय पहले एक केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि इन दिनों अदालत के फैसले तात्कालिकता से प्रभावित होते हैं। पेशे से वकील मंत्री महोदय ने सुप्रीम कोर्ट के कुछ निर्णयों की ओर इशारा करते हुए कहा था कि उनमें दूरदर्शिता का अभाव साफ झलक रहा है। वह गलत नहीं थे। सिनेमाघरों में राष्ट्रगान को अनिवार्य किए जाने के मामले में हम देख चुके हैं कि किस तरह अदालत को अपने ही आदेश में संशोधन करना पड़ा। सबरीमाला पर अदालत के फैसले को लागू कराना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। वायु प्रदूषण अधिकतर बड़े शहरों की समस्या है। पूरे देश में पटाखों पर पाबंदी का क्या मतलब? दूरदराज के इलाके में अदालत के आदेश पहुंचने में ही दो साल लग जाएंगे। सवाल यह भी है कि क्या पटाखे ही वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेवार हैं? सिद्धांत रूप में अदालत का आदेश स्वागत योग्य है, लेकिन असल सिरदर्द इसे लागू करने में है। पहली बात तो यह है कि अधिकतर लोगों को मालूम ही नहीं है कि ग्रीन कैकर्स यानी हरित पटाखे किसे कहेंगे? न बेचने वाले को, न खरीदने वाले को। सामान्य समझ यही है कि अदालत ने कम आवाज और कम धुएं वाले पटाखे चलाने की इजाजत दी है परंतु दिल्ली के बाजारों में अधिकतर पारंपरिक पटाखे ही उपलब्ध हैं यानी बम, रॉकेट, चक्कर, अनार, फूलझड़ी वगैरह। इसलिए कि दिवाली के पटाखे काफी पहले ही बन गए थे, तो हरित पटाखे मिलेंगे कहां से? यही हाल देश भर का है, क्योंकि सब जगह पारंपरिक पटाखे ही भेजे गए हैं। हम कम प्रदूषण वाले पटाखे चाहते हैं, तो पहले हरित पटाखों की परिभाषा तय करनी होगी। फिर उनका उत्पादन करना होगा। पटाखों में हानिकारक रसायन न मिलाए जाएं, इस पर निगरानी रखनी होगी। इसके लिए काम करने वाली पीईएसएसओ जैसी एजेंसियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। इससे पटाखों का रंग अवश्य बेरंग होगा लेकिन प्रदूषण कम होगा। ध्यान रहे पटाखों में रंग पैदा करने के लिए जो रसायन मिलाए जाते हैं, उनमें कुछ बेहद जहरीले होते हैं। पटाखा उत्पादन के व्यवसाय में लगे लोग बताते हैं कि देश में कम प्रदूषण वाले पटाखे बनते ही नहीं हैं। हालांकि प्रयास चल रहा है। सीएसआईआर की एक रिपोर्ट भी इस बाबत मिली है। आदेश के अनुसार शाम के 8 बजे से पटाखा चलाना है, लेकिन क्या बच्चे मानेंगे? असल में इस समस्या का कोई शार्ट-कट नहीं है, और न ही यह दिवाली तक सीमित है। पटाखों का प्रयोग अलग-अलग समय पर देश भर में किया जाता रहा है। यह 15 से 20 हजार करोड़ रुपये का व्यवसाय है, जिसमें लाखों लोग लगे हैं। तमिलनाडु में दिवाली की सुबह ही पटाखे चलाए जाते हैं, जबकि कर्नाटक में दशहरे पर। पश्चिम बंगाल के लोग दिवाली और उसके अगले दिन काली पूजा में भी पटाखे चलाते हैं। शादी-ब्याह हो या खुशी का मौका, पटाखे छोड़ना परंपरा का हिस्सा है। इसे एकाएक रोका नहीं जा सकता। ऐसे में दिवाली से ठीक दो सप्ताह पहले हरित पटाखे की बात करना और पटाखे चलाने की समय-सीमा तय करना कहां तक उचित है। ध्यान रहे कि पिछले साल भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी थी। लेकिन हुआ क्या? लोगों ने पटाखे चलाए। इस बार वैसा नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी है? बेहतर होता कि पटाखों पर रोक के लिए जनमत तैयार किया जाता। बहुतेरे लोग हैं, जो पटाखों को न करने के लिए तैयार हैं। लेकिन वह किसी बंधन को स्वीकार नहीं करना चाहते। जबरदस्ती मत कीजिए। समय दीजिए सब ठीक हो जाएगा।

सत्संग

संवेदनशील

संवेदनशील होते हुए भी विरक्त कैसे हुआ जाए? ये दोनों बातें विरोधी नहीं हैं। तुम संवेदनशील हो तो विरक्त होओगे; या विरक्त हो तो अधिकाधिक संवेदनशील होते जाओगे। संवेदनशीलता आसक्ति नहीं है, सजगता है। केवल सजग व्यक्ति ही संवेदनशील हो सकता है। तुम सजग नहीं हो तो असंवेदनशील होओगे। जब तुम बेहोश होते हो तो बिल्कुल असंवेदनशील होते हो; जितनी अधिक सजगता, उतनी ही अधिक संवेदनशीलता। बुद्ध पुरुष पूर्णतया संवेदनशील होता है, क्योंकि वह अपनी परिपूर्ण क्षमता से अनुभव करेगा और सजग होगा। लेकिन जब तुम संवेदनशील और सजग होते हो तो तुम आसक्त नहीं होओगे, विरक्त रहोगे क्योंकि सजगता ही तुम्हारे और वस्तुओं, तुम्हारे और व्यक्तियों, तुम्हारे और संसार के बीच सेतु को तोड़ डालती है। बेहोशी और नींद ही आसक्ति के कारण हैं। तुम सजग हो तो सेतु अचानक टूट जाता है। जब तुम सजग हो तो संसार से जुड़ने के लिए कुछ भी नहीं बचता। संसार भी है, तुम भी हो, लेकिन दोनों के बीच का सेतु टूट गया है। वह सेतु तुम्हारी बेहोशी से बना है। तो ऐसा मत सोचो कि तुम आसक्त हो रहे हो क्योंकि तुम अधिक संवेदनशील हो गए हो। नहीं, यदि तुम्हारी संवेदनशीलता बढ़ेगी तो तुम आसक्त नहीं होओगे। आसक्ति के लिए तुम्हें सजग और जागरूक होने की जरूरत नहीं है। पश्चिम में, वहां मनुष्य जानवरों से, कुत्तों से या अन्य जानवरों से संबंध स्थापित करता जा रहा है क्योंकि मानवीय संबंध तो अब रहे ही नहीं। भीड़ है, लेकिन तुम्हारा उससे कोई संबंध नहीं है। आदमी भयभीत हो जाता है। जब तुम किसी से जुड़े होते हो, आसक्त होते हो और दूसरा तुम्हारे साथ आसक्त होता है, तो तुम्हें लगता है कि इस संसार में, अजनबी संसार में तुम अकेले नहीं हो। किसी से संबंधित होने का भाव तुम्हें एक तरह की सुरक्षा देता है। जब मानवीय संबंध असंभव हो जाते हैं, तो पुरुष और स्त्रियां जानवरों से संबंध बनाने की कोशिश करते हैं। पश्चिम में वे कुत्तों और दूसरे जानवरों से बहुत जुड़े हुए हैं, लेकिन यहां पूर्व में चाहे तुम गौओं की पूजा करते हो लेकिन उनसे जुड़े हुए नहीं हो। तुम चाहे कहे चले जाओ कि गाय की तुम दिव्य-पशु की तरह पूजा करते हो, लेकिन तुम्हारी क्रूरता का भी कोई अंत नहीं है।

फोटोग्राफी...

नई दिल्ली में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दक्षिण कोरिया की प्रथम महिला किम जुंग-सूक।

सार समाचार

अफगानिस्तान में तालिबान के हमले में 20 सैनिकों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी फराह प्रांत में तालिबान ने अफगान सीमा रक्षकों के एक अड्डे को निशाना बनाकर हमला किया जिसमें कम से कम 20 सैनिकों की मौत हो गयी। प्रांतीय परिषद के एक सदस्य अब्दुल समद सलेही ने कहा कि हमले के समय अड्डे में 45 से ज्यादा जवान थे। उनमें से सिर्फ तीन ही पास के एक गांव तक पहुंच सके। शेष सैनिकों को या तो तालिबान ने पकड़ लिया है या वे मारे गए हैं। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि हमले में कम से कम 20 सैनिक मारे गए हैं और लगभग इतनी ही संख्या में जवान लापता हैं। इस बीच तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

यमन के लाखों लोग भूखमरी की कगार पर: रिपोर्ट

काहिरा। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल ने कहा है कि अरब दुनिया के सबसे गरीब देश के लिए समुद्र, जमीन और वायु मार्गों पर सऊदी नीत गठबंधन की रोक के एक साल बाद यमन के लाखों लोग भूखमरी और घातक बीमारी की कगार पर हैं। बीते वर्ष विद्रोहियों ने सऊदी की राजधानी रियाद को मिसाइल हमले का निशाना बनाया था। जिसके बाद ईरान समर्थित शिया हूती विद्रोहियों से लड़ रहे सऊदी नीत गठबंधन ने पिछले वर्ष नवंबर में ही यमन तक पहुंच पर रोक लगा दी थी। काउंसिल के जेन एगलैंड ने सोमवार कहा कि यमन के आम नागरिकों के लिए बीते 12 महीने कभी खत्म नहीं होने वाले दु-स्वप्न की तरह रहे। हूती विद्रोहियों और सऊदी नीत गठबंधन के बीच मार्च 2015 से लड़ाई छिड़ी है जिसने दुनिया का सबसे भयावह मानवीय संकट पैदा किया है।

अफगानिस्तान में हाल के चुनाव में 56 नागरिक मारे गए थे: यूएन

काबुल। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएस) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हाल के संसदीय चुनाव के दौरान हुए हमलों में 56 नागरिक मारे गए थे और 379 अन्य घायल हो गए थे। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनाव के दिन हुई हिंसा में 52 नागरिक मारे गए थे और 339 अन्य घायल हो गए थे।
बाकी बाद के दिनों में हताहत हुए थे जब कुछ प्रांतों में बाद में मतदान हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार संख्या से पता चलता है कि अफगानिस्तान में पहले के चार राष्ट्रीय चुनावों की तुलना में इस चुनाव में अधिक नागरिक हताहत हुए। इस संख्या में तीन सप्ताह तक चले प्रचार के दौरान हुयी हिंसा में हुए हताहतों की संख्या शामिल नहीं है। रिपोर्ट में तालिबान लड़ाकों सहित आतंकवादियों द्वारा चुनाव के दौरान किये गए विभिन्न हमलों का जिक्र किया गया है जिसमें घनी आबादी वाले नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया गया।

नेतन्याहू ने ईरान पर 'सबसे कड़े' प्रतिबंध लगाने के लिए ट्रंप को सराहा

जेरूसलम (एजेंसी)।

इजरायल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर दोबारा कड़े प्रतिबंध लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की सरहाना की. समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान ईरान और वैश्विक शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते के तहत हटाए गए सभी प्रतिबंधों को अमेरिका द्वारा दोबारा बहाल करने के फैसले के बाद नेतन्याहू ने सोमवार (05 नवंबर) को ये बयान दिया. प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, नेतन्याहू ने इजरायल की संसद में इस कदम की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक दिन करार दिया. नेतन्याहू लंबे समय से ईरान परमाणु समझौते के आलोचक रहे हैं. उन्होंने ईरान पर दोबारा अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंध लगाने के लिए ट्रंप का आभार जताया.

आपको बता दें कि अमेरिका ने ईरान के तेल और आर्थिक क्षेत्र को निशाना बनाते हुए दंडात्मक प्रतिबंध फिर से लागू किए हैं. विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने इसे ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध बताया है. ये प्रतिबंध सोमवार (5 नवंबर) को लागू हुए हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मई में तेहरान के साथ बहुराष्ट्रीय परमाणु समझौते से अलग होने का विवादित फैसला लिया था. ये प्रतिबंध उसी के परिणाम हैं. इन प्रतिबंधों के कारण ईरान के साथ कारोबार करने वाली तीसरे देशों की कंपनियां सीधे तौर पर प्रभावित होंगी.

इससे विश्व के तेल बाजार प्रभावित होंगे. हालांकि, अमेरिका ने आठ देशों को ईरान से तेल आयात जारी रखने की अस्थायी छूट दे रखी है. पोम्पिओ ने 'सीबीएस' चैनल के 'फेस दी नेशन' से कहा कि अमेरिका की ओर से प्रतिबंध आज रात मध्य रात्रि से फिर से लागू होंगे. इससे वहां तेल जगत और फाइनेंसियल क्षेत्रों में भारी असर पड़ने वाला है. अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा कि ईरान के खिलाफ यह अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध है. इस प्रतिबंध से ईरान के साथ व्यापार करने वाले तीसरे देशों की कंपनियों को भारी नुकसान होगा. ये प्रतिबंध विश्व तेल बाजारों को भी ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं, हालांकि अमेरिका ने ईरानी तेल आयात जारी रखने के लिए आठ अधिकार क्षेत्रों में अस्थायी छूट प्रदान की है.

चीन की यात्रा पर आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री, उठाएंगी नजरबंद शिविरों का मुद्दा

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री चीन के सुदूरवर्ती दक्षिणी क्षेत्र में स्थित नजरबंदी शिविरों को लेकर देश की चिंताओं को इस सप्ताह बीजिंग की यात्रा में उठाएंगी. इन नजरबंदी शिविरों में लाखों लोगों को बिना आरोप के रखा गया हैं. मारिस पायने ने कहा कि वह शिनजियांग में स्थित शिविरों को लेकर ''गंभीर आपत्ति'' दर्ज कराएंगी जहां हजारों उइगरों तथा अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नजरबंद करके रखा गया है. करीब तीन साल बाद किसी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की चीन की यात्रा हो रही है. पायने ने राष्ट्रीय प्रसारणकर्ता एबीसी से कहा, ''जाहिर है कि हमारा बहुत मजबूत रिश्ता है और यह दोनों पक्षों के हित में काम करता है तथा हम व्यापक कूटनीतिक साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.'' चीन, ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है लेकिन हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आया है. ऐसे आरोप हैं कि चीन उसकी घरेलू राजनीति में दखल दे रहा है और देश में पांव जमाने के लिए चंदे का इस्तेमाल कर रहा है.

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की शीर्ष अधिकारी अहम बातचीत के लिए पहुंची पाकिस्तान

इस्लामाबाद

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की एक शीर्ष अधिकारी अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया समेत द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में शीर्ष अधिकारियों से चर्चा के लिए पाकिस्तान में हैं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. मोहम्मद फैसल ने पुष्टि की कि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए उप सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स छह नवंबर को इस्लामाबाद आई. उन्होंने कहा कि वह विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी. राजदूत वेल्स वित्त मंत्री से भी मुलाकात करेंगी.

फैसल ने यह भी कहा कि उनकी यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए वाशिंगटन में विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और उनके अमेरिकी समकक्ष माइक पोम्पिओ के बीच हुई बातचीत को आगे बढ़ाना है. कुरैशी और पोम्पिओ पहली बार इस्लामाबाद में मिले थे. यह मुलाकात उत्साहजनक थी और इसके बाद उन्होंने वाशिंगटन में मुलाकात की जब पकिस्तान के विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने गए थे. राजनयिक सूत्रों ने बताया कि राजदूत वेल्स दोनों देशों के बीच संबंधों को दिशाबद्ध करने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेंगी जबकि बाकी का ध्यान अफगान शांति वार्ता पर रहेगा. पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं. ऐसे आरोप हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम लगाने तथा तालिबान को वार्ता के लिए तैयार करने के वास्ते ज्यादा कुछ नहीं कर रहा है. वेल्स की यह यात्रा तब हुई है जब एक दिन बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद की दो सप्ताह की यात्रा शुरू हो रही है ताकि आर्थिक संकट से जूझ रही देश की अर्थव्यवस्था को राहत पैकेज देने की संभावना पर चर्चा की जा सकें.

बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मलावी ने यूएन में भारत का समर्थन किया- नायडू

विशेष विमान से (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र का लोकतंत्रीकरण करने के लिए जोर देता रहा है और बोत्सवाना, जिम्बाब्वे तथा मलावी ने उसके इस रूख का समर्थन किया है। अफ्रीका के तीन देशों की छह दिवसीय यात्रा के बाद भारत लौटते समय मीडियाकर्मियों से बातचीत में उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जिन देशों की मैंने यात्रा की, वे संयुक्त राष्ट्र का प्रभावी तरीके से लोकतंत्रीकरण करने की जरूरत पर और स्वतंत्र राष्ट्रों में भारत की भूमिका के महत्व पर हमसे सहमत हैं।' नायडू ने कहा कि ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र। के तथा कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय उम्मीदवारों का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''यात्रा के दौरान मैंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए, उनके समर्थन के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।'' भारत और अन्य जी4 देश- ब्राजील, जर्मनी तथा जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लंबित सुधारों में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं होने पर चिंता जताते रहे हैं। नायडू ने जिन तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा की, उनके नेता भारत के कुछ पड़ोसी देशों को किस तरह लेते हैं, इस सवाल के जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा, ''उन्हें पता है कि क्या हो रहा है और वे आतंकवाद से लड़ने की जरूरत पर हमारे साथ हैं।''

उन्होंने कहा, ''मैंने उन्हें बताया कि हम अपने सभी पड़ोसियों से मित्रवत रिश्ते चाहते हैं।''नायडू के मुताबिक, ''मैंने उन्हें इस बारे में भी विस्तार से बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पाकिस्तानी

समकक्ष के घर जाकर एक समारोह में मौजूदगी दर्ज कराते हुए क्या सकारात्मक संकेत दिए, क्या प्रयास किये जा रहे हैं और ये लोग बाद में क्या कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि तीनों नेताओं ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को लेकर भारत की पहल की सराहना भी की।

यूएन को पिछले तीन महीने में यौन शोषण, उत्पीड़न के 64 नए मामले मिले

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र को अपने विभिन्न कार्यालयों, एजेंसियों और उसके कार्यक्रमों को लागू कर रहे भागीदार संगठनों से जुलाई तथा सितंबर के बीच 77 पीड़ितों से जुड़े यौन शोषण तथा उत्पीड़न के 64 नए आरोपों की शिकायतें मिली हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि एक जुलाई से 30 सितंबर 2018 के बीच सामने आए 64 आरोपों में से छह शांतिरक्षकों से जुड़े हैं और 33 आरोप संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों, निधि और कार्यक्रमों के लोगों से संबद्ध हैं। इसके अलावा 25 अन्य गैर संरा कर्मचारी हैं जो विश्व निकाय के कार्यक्रमों को लागू कर रहे संगठनों के साथ काम कर रहे हैं। दुजारिक ने सोमवार को यहां दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सभी आरोपों की पूरी तरह पुष्टि नहीं हुई है और अभी कई मामलों की प्रारंभिक जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि हर तिमाही में ये अद्यतन जानकारियां महासचिव एंतोनियो गुतारेस की इस मुद्दे पर ''पारदर्शिता बढ़ाने'' की पहल का हिस्सा हैं।

खशोगी हत्या: यूएन अधिकार समीक्षा सत्र में सऊदी अरब की खिंचाई हुई

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र में कई देशों ने सऊदी अरब की खिंचाई की जिसके बाद उसने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और देश में मानवाधिकारों के संबंध में सर्वोच्च संभावित मानक हासिल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। महीने भर पहले इस्ताबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में खशोगी की हत्या कर दी गई थी। इसी बारे में जिनेवा में संरा मानवाधिकार परिषद में सार्वजनिक बहस हुई। सऊदी अरब के मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष बंदार बिन मोहम्मद अल ऐबान ने समीक्षा सत्र में पुष्टि की कि खशोगी की मौत की जांच अभी चल रही है। उन्होंने सदस्य देशों को बताया कि शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज ने व्यक्तिगत तौर पर जांच शुरू की है।

अल ऐबान ने कहा, '' सऊदी अरब ने जमाल खशोगी की मौत पर दुख और खेद व्यक्त किया है।''ऐबान की टिप्पणी के बाद 40 सदस्य देशों ने सऊदी अरब से अपील की कि वह यह पता लगाए कि खशोगी के साथ क्या हुआ था। कई देशों ने वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के कानूनों में सुधार की मांग की।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में शीर्ष राजनयिकों ने मनाई दीपावली

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारत और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों ने सोमवार को यहां रोशनी के पर्व दीपावली का जश्न मनाया जिससे विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच साझेदारी की ''मजबूती'' की झलक मिलती है। अमेरिका में भारत के राजदूत नवतेज सरना और उप विदेश मंत्री जॉन सुलिवान विदेश मंत्रालय के फॉगी बॉटम मुख्यालय में हुए दीपावली समारोह के मुख्य अतिथि थे।

सुलिवान ने कहा कि विदेश मंत्रालय में दीपावली का जश्न भारत के साथ साझेदारी की मजबूती तथा सहिष्णुता, विविधता, आजादी और न्याय के साझा मूल्यों को दिखाता है। समारोह में विदेश मंत्रालय तथा भारतीय दूतावास के अधिकारियों समेत करीब 200 मेहमान शामिल हुए। यह पहली बार है जब विदेश मंत्रालय ने भारतीय दूतावास के सहयोग से दीपावली समारोह आयोजित किया।

सरना ने कहा कि विदेश मंत्रालय में दीपावली का जश्न भारत और अमेरिका के लोगों के बीच बढ़ते आपसी संपर्क का संकेत है। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्रालय समेत अन्य क्षेत्रों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती प्रतिष्ठा तथा उनके योगदान को पहचाने जाने का जिक्र किया। सरना ने दोनों देशों के करीबी सांस्कृतिक रिश्तों और उनके बीच समानताओं को मान्यता दिए जाने के तौर पर साल 2016 में अमेरिकी डाक सेवा द्वारा जारी दीपावली के टिकट का भी जिक्र किया। सुलिवान ने दीपावली के मौके पर सभी भारतीयों को बधाई दी और इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए भारतीय दूतावास तथा दक्षिण एशिया अमेरिकी कर्मचारी संघ का आभार जताया। इस मौके पर तबला तथा सितार पर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति भी दी गई।

प्रतिबंधों के बाद ईरान के राष्ट्रपति रूहानी ने कहा- हम युद्ध जैसे हालात में हैं

तेहरान (एजेंसी)।

अमेरिका की ओर से फिर से लगाए गए प्रतिबंधों के बाद ईरान ने हवाई रक्षा अभ्यास किया और राष्ट्रपति हसन रूहानी ने बयान दिया कि देश ''युद्ध जैसे हालात'' का सामना कर रहा है। अमेरिका की ओर से ईरान पर लगाए गए ताजा प्रतिबंधों और रूहानी के इस बयान के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता दिख रहा है। प्रतिबंधों के कारण ईरान को अमेरिका द्वारा दिए जा रहे वे सभी लाभ बंद हो जाएंगे जो 2015 के परमाणु करार के कारण उसे दुनिया के शक्तिशाली देशों से मिल रहे थे। हालांकि, वह अपनी तरफ से इस करार का अब भी पालन कर रहा है। इस करार के तहत उसे यूरेनियम का संवर्धन सीमित मात्रा में करना था।

रूहानी ने सोमवार को कहा, ''आज ईरान अपना तेल बेचने में सक्षम है और वह बेचेगा।'' इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने एक साइबर हमले की सूचना दी जिसमें देश के संचार ढांचे को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस हमले के

लिए इजराइल को जिम्मेदार करार दिया।

ईरान के सरकारी टीवी पर दिखाया गया कि देश के उत्तरी हिस्से में रक्षा बलों द्वारा हवाई अभ्यास किया जा रहा है। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से ड्रोन को मार गिराने का दृश्य भी दिखाया गया। यह अभ्यास मंगलवार को जारी रहेगा। इस बीच, सरकारी टीवी पर प्रसारित अपने बयान में रूहानी ने सरकारी अधिकारियों से कहा कि ईरान प्रतिबंधों से उबर जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम युद्ध जैसे हालात में हैं। हम आर्थिक युद्ध जैसे हालात में हैं। हम धौंस दिखाने वाले एक दुश्मन का सामना कर रहे हैं। हमें जीतने के लिए तनकर खड़े रहना होगा।''

फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ब्लॉक किए कई अकाउंटस, जानिए क्या है वजह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

फेसबुक ने अपने प्लेटफॉर्म पर करीब 30 अकाउंट और इंस्टाग्राम पर 85 खातों को ब्लॉक कर दिया है। फेसबुक ने ये कदम अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में हस्तक्षेप की आशंका और उनके तार विदेशी संस्थाओं से जुड़े होने की चिंताओं के मद्देनजर उठाया है। फेसबुक को इस बात का संदेह था कि ये सभी अकाउंट्स अमेरिकी मध्यवर्ती चुनावों में दखल दे सकते थे और इन अकाउंट्स के कुछ विदेशी संस्थाओं से जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही थी। फेसबुक ने इसकी जानकारी अपने ब्लॉग के जरिए दी है।

फेसबुक ने अपने ब्लॉग में लिखा कि इन अकाउंट्स के बारे में उसे जानकारी अमेरिकी कानून प्रवर्तन की ओर से रविवार को मिली थी। अमेरिकी कानून प्रवर्तन को हाल ही में इन अकाउंट्स की गतिविधियों से पता चला था कि ये लोग चुनाव में देख सकते हैं। रिपोर्ट के बाद फेसबुक को भी इन अकाउंट्स पर संदेह हुआ और उसके बाद कंपनी ने तत्काल रूप से 30 फेसबुक व 85 इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया, हालांकि इन अकाउंट्स की जांच अभी भी चल रही है।

पिछले महीने भी ब्लॉक किए थे अकाउंटस

बता दें कि इससे पहले पिछले महीने भी फेसबुक ने एक विपणन समूह से जुड़े 68 पेज एवं 43 अकाउंट बंद कर दिए थे, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव के दक्षिणपंथी उम्मीदवार जेयर बोलसोनारो के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। फेसबुक ने एक बयान जारी कर कहा था, 'गलतबयानी और स्पैम की हमारी नीतियों का उल्लंघन' करने के लिए हमने 'रापोसोस फर्नांडेज एसोसिएट्स' (आरएफए) से जुड़े पेज एवं अकाउंट्स के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई हमारी स्पैम नीतियों का उल्लंघन करने के लिए की गई।

बेहद चर्चा में हैं अमेरिका के मिड-टर्म चुनाव

अमेरिका के मिड-टर्म चुनाव इस बार बेहद चर्चा में हैं। इसे सीधे-सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की साख से जोड़कर देखा जा रहा है। कार्यकाल के बीच में होने वाले इन चुनावों से ट्रंप की सत्ता पर भले कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन उनकी प्रतिष्ठा पर प्रभाव जरूर पड़ेगा। इसके अलावा ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को 100 सदस्यों वाले उच्च सदन यानी सीनेट में बहुमत गंवाने का डर भी है। अगर सीनेट में डेमोक्रेट्स का बहुमत हो गया, तो अपने बाकी कार्यकाल में ट्रंप को फैसले लेने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अभी सीनेट में रिपब्लिकन की 51 सीटें हैं।

क्रांति समय

गुलाब समेत अन्य सभी फूलों की किमत में वृद्धि हुई

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में धनतेरस के बाद अब दिपावली का पर्व कल धूमधाम से मनाया जाएगा। दिपावली के त्यौहार से पहले विभिन्न तरह के फूलों में तेजी देखने मिल रही हैं। कीमतों में पिछले साल की तुलना में तीव्र वृद्धि देखने मिली हैं। पिछले साल से भी अधिक कीमत होने के बावजूद मांग देखने मिल रही हैं। दिपावली पर्व के दौरान आम तौर पर कपड़ा, खानीपीनी, जेवर और पटाखे ऐसे सभी बाजार में तेजी देखने मिल रही हैं। यह सभी के बीच इस साल फूल बाजार में भी तेजी देखने मिल रही हैं। दिपावली के पांच दिन के दौरान पूजापाठ और श्रृंगार के लिए फूल की आवश्यकता होती हैं। जिसके कारण त्यौहारों में फूलों की मांग तो अधिक ही रहेगी। इस साल गूलाब समेत सभी फूलों की कीमत अधिक हैं। त्यौहार शुरु होते ही पहले बाजार में फूलों के विभिन्न दाम थे। जो फिलहाल ओर बढ़ चुके हैं। फूलों की कीमत में वृद्धि के पीछे कई वजहें थी। पारस, कमल, डेजी जैसे फूलों पर त्यौहारों की असर देखने मिली थी। यह फूलों के दाम में वृद्धि थी। पूरे वर्ष के दौरान ५० रुपये से ६० रुपये के भाव में बिकते गलगोटा फ्लावर के भाव १०० रुपये से १२० रुपया हो गया था। सामान्य रूप से वर्ष के दौरान गुलाब का फूल ५०० रुपये से ६०० रुपये प्रतिकिलो बेचे जाते है। फूल बाजार में ७०० से ८०० रुपये बेचा जा रहा है। जो बढ़कर १२०० रुपये प्रतिकिलो पहुंच जाएगा। गलगोटा के साथ मोगरा, पारस, ग्रीन कमल, डेजी आदि के भाव में भी हाल में त्यौहारों की असर देखने को मिली है।यह सभी फूल हाल में दिपावली में पूजा तथा विभिन्न डेकोरेशन के लिए उपयोग होने से इसके भाव में भी २० से ३०फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

शहरीजनों ने चिन्ता किए बिना पटाखे फोड़े : प्रशासन बेबस

अहमदाबाद । सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को लेकर दीपावली के त्यौहार के दौरान रात को ८ से १० बजे तक पटाखे फोड़ने के लिए आदेश दिया गया है फिर भी धनतेरस की पूजा बाद देर रात तक शहरीजनों ने पटाखे फोड़े। दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कराने के लिए पुलिस ने अब लोगों को जागरूक करने का काम शुरू किया गया है। हालांकि, प्रशासन सामूहिक रूप से एक समान आदेश का पालन करवाने के लिए बेबस है। दूसरी तरफ, राज्य सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसारस पटाखे फोड़ने का समय तय करने की वजह से पुलिस और प्रशासन इसे लागू करने के लिए कदम उठायेंगे । छिटपुट मामले में पुलिस तय सीमा के बाहर पटाखे फोड़ने वाले लोगों के विरूद्ध शिकायत सहित की कार्रवाई कर रही है। दीपावली के त्यौहार के दौरान पटाखे फोड़ने से प्रदूषण फैलता है, जिसकी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने रात के ८ से १० बजे तक पटाखे फोड़ने का आदेश दिया गया है। सुप्रीम के आदेश बावजूद भी शहरीजनों ने देर रात तक पटाखे फोड़कर धनतेरस को मनाया गया। देर रात तक पटाखे फोड़ने को लेकर पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कराने के लिए शहर पुलिस ने जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। इसके अलावा फोड़ते के समय अन्य की सुरक्षा का ध्यान रखे ऐसी सूचना देते हुए बैनर भी लगाये गये हैं। शहर के पश्चिम क्षेत्र में नवरंगपुरा पुलिस ने सीजी रोड सहित अलग-अलग जगह पर बैनर लगाये है। बैनर में पुलिस कमिशनर ने पटाखे मामले में अध्यादेश में जिस बात का उल्लेख किया गया है यह बताया गया है। अस्पताल, नर्सिंगहोम, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों से १०० मीटर के क्षेत्र को साइलन्ट जोन घोषित किया गया है, जिसकी वजह से वहां किसी प्रकार के पटाखे नहीं फोड़ने के लिए बताया गया है। यदि कोई व्यक्ति रात को १० बजे के बाद पटाखे फोड़ेंगा तो इसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी ऐसी सूचना भी पुलिस द्वारा दी जा रही है।

प्रधानाध्यापक ने क्लास में ही शिक्षिका से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

अहमदाबाद । गुजरात के दाहोद जिले की संजेली तहसील के भामण गांव की प्राथमिक पाठशाला में अत्यधिक काम के बहाने शिक्षिका को समय से पहले बुलाकर प्रधानाध्यापक ने चार बार दुष्कर्म किया। शिक्षिका द्वारा इसकी शिकायत करने पर हड़कंप मचा हुआ है।शिक्षिका ने अपनी शिकायत में कहा है कि 25 अक्टूबर को प्रधानाध्यापक हूरसिंह ने मुझसे कहा कि कल तुम सुबह पौने नौ बजे पाठशाला में आ जाना। मैं जल्दी आकर मेरा क्लास रूम खोल रही थी कि मेरे पीछे-पीछे प्रधानाध्यापक आकर मुझे पीछे से पकड़ लिया और मेरी मर्जी के खिलाफ दुष्कर्म किया। इससे पहले भी उसने चार बार मेरे साथ दुष्कर्म किया। संजोली पुलिस ने अध्यापिका को मेडिकल के लिए भेजकर प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया।

आज प्रकाश का महापर्व दिवाली का त्यौहार मनाया जाएगा

अहमदाबाद । आज लोग प्रकाश का महापर्व दिवाली का उत्सव मनाएंगे। हिन्दू धर्म के त्यौहारों में दिवाली को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। इस त्यौहार में लोग दिनभर पटाखे फोड़कर एक दूसरे को मीठाई खिलाकर मनाते है। व्यापारी चोपड़ा पूजन करते है। जबकि मंदिरों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन होता है। तथा आकाश आतिशबाजी से जममगेगा । गांवों में और शहरों में लोग आंगन में रंगोली कर आंगन रंगबीरंगी कर देंगे । दिवाली के साथ प्राचीन इतिहास भी जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीराम ने अपने पिता की आज्ञा के अनुसार १४ साल का वनवास किया था। इस वनवास के दौरान विज्यादशमी के दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर सीता माता को छुड़ाया था। उसके बाद में दिवाली के दिन १४ साल का वनवास पूरा कर भाई लक्ष्मण और पत्नि जानकी के साथ अयोध्या वापस लौटे थे। १४ साल तक सुमशाम रही अयोध्यानगरी में भगवान श्रीराम आने वाले थे जिसके कारण पूरी अयोध्यानगरी को दिवकों से प्रजवल्लित किया गया था और रोशनी से सजाया गया था। साथ ही पटाखे फोड़कर भगवान श्रीराम का स्वागत किया गया था। तब से प्रकाश के पर्व दिवाली त्यौहार हिन्दू धर्म के लोग आस्था और उमंग के साथ मनाते है। दिवाली के त्यौहार की लोग राह देखते है। वैसे तो दिवाली का महापर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है। हालांकि दिवाली के दिन महत्व को त्यौहार माना जाता है। दिवाली के दिन व्यापारी चोपड़ापूजन कर अपने व्यापार में वृद्धि हो ऐसी प्रार्थना करते है। नए चोपड़े का शुभमुर्हुत भी करते है। हालांकि पिछले कई दिनों से कम्प्युटर के आधुनिक युग में चोपड़ों का महत्व कम हो गया है। फिर भी दिवाली के दिन चोपड़ा पूजन करने की प्रथा आज भी चलती आ रही है।

समलैंगिक सहेली ने मंगेतर से मिलकर तुड़वा दी सगाई

अहमदाबाद। शहर के मेघाणीनगर निवासी युवती की सगाई उसकी ही सहेली द्वारा तुड़वाए जाने के कारण उसने 181 महिला हेल्पलाइन की मदद मांगी। काउंसलर की सहायता के समय मालूम पड़ा कि दोनों युवतियां एक-दूसरे से प्रेम करती थी। मदद मांगने वाली सहेली ने इससे पहले उसकी सहेली की सगाई तुड़वा दी थी। इसे काउंसिलिंग के दौरान उसने कबूल भी कर लिया। आखिरकार पुलिस थाने में दोनों ने लिखित आश्वासन दिया कि वे एक-दूसरे के संबंध में दखलंदाजी नहीं करेगी। मेघाणीनगर निवासी विनिता एवं सरिता एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। दोनों साढ़े चार वर्ष से एक-दूसरे की मित्र थी। जुलाई में विनिता की सगाई अनिल नामक युवक के साथ हुई। इस पर सरिता ने अनिल को बुलाकर कह दिया कि विनिता का अन्य युवक के साथ संबंध है। इससे सगाई टूट गई। विनिता ने इस समस्या के निराकरण के लिए महिला हेल्पलाइन 181 अभयम का सहारा लिया। महिला काउंसलर लीना ने विनिता और सरिता का काउंसिलिंग करते समय विनिता कहती थी कि वह 9 से 11 बजे तक उसी के साथ बातचीत करे। अपने मंगेतर के साथ नहीं। मेरा मंगेतर मुझे मिलने के लिए बुलाए, तब वह मुझे मिलने नहीं देती। इससे सगाई टूट गई। उसका बदला लेने के लिए मैने सगाई तुड़वा दी। सच तो यह है कि हम दोनों समलैंगिक है। सरिता मुझसे कहती थी कि वह उसके बिना नहीं रह सकती। उसने मेरी सगाई तुड़वा दी। अब वह मुझे छोड़कर कैसे जा सकती है। आखिरकार महिला हेल्पलाइन की काउंसलर लीना ने दोनों सहेलियों को समझाकर मेघाणीनगर पुलिस थाने ले गई, जहां दोनों के बीच लिखित समझौता हुआ कि वे एक-दूसरे की जिदंगी में हस्ताक्षेप नहीं करेगी।

नरोडा स्मशानगृह के पास कॉन्स्टेबल का शव मिला

अहमदाबाद । शहर के नरोडा क्षेत्र में सुबह में एक पुलिस कॉन्स्टेबल घायल हालत में शव मिलने से पुलिसबेडा में सनसनी मच गई। देर रात को शराब पीने के बाद मंगलवार को सुबह में कॉन्स्टेबल की नरोडा स्मशानगृह के पास रहस्यमय परिस्थितियों में शव मिला। पुलिस ने मृतक कॉन्स्टेबल के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमोर्टम रिपोर्ट बाद स्थिति स्पष्ट होगी ऐसा पुलिस मान रही है।

पुलिस कॉन्स्टेबल का शव मिलने से उनकी हत्या की गई है या फिर दुर्घटना के कारण उनकी मौत हुई है यह एक चर्चा का विषय बन गया है। दूसरी तरफ, पुलिस ने दुर्घटना से मौत का अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। सुबह में पुलिस कंट्रोलरुम में नरोडा क्षेत्र में रहते एक जागृत नागरिक ने फोन किया था कि नरोडा स्मशानगृह के पास एक पुरूष का शव है। पुलिस कंट्रोलरुम में डयुटी कर रहे पुलिस कर्मचारी ने तुरंत नरोडा पुलिस को जानकारी दी गई। युवक का शव मिलने का समाचार मिलने के साथ नरोडा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई थी जहां उन्होंने एक पुरूष की घायल हालत में शव मिला। पुलिस ने रोड पर से मिले पुरूष का शव के मामले में जांच की तो वह आश्चर्य में पड़ गये, क्योंकि जिस पुरूष की मौत हुई है यह एक पुलिस कॉन्स्टेबल था। पुलिस हेडक्वार्टर में एफ-१ कंपनी में पुलिस कॉन्स्टेबल के तौर पर डयुटी कर रहे दिनेशभाई रमाभाई परमार की देर रात को नरोडा स्मशानगृह के पास मौत हुई थी। दिनेशभाई कई वर्ष से पुलिस हेडक्वार्टर में डयुटी कर रहे है और नरोडा क्षेत्र में स्थित तक्षशिला अपार्टमेन्ट में अपने परिवार के साथ रहते है। देर रात को सीविल ड्रेस में दिनेशभाई पैदल-पैदल आ रहे थे तब उनकी मौत हुई है। दूसरी तरफ, यह समाचार की वजह से पुलिसबेडा में सनसनी मच गई। सुबह में जोन-४ के डीसीपी और एसीपी घटना स्थल पर पहुंच गये और कॉन्स्टेबल दिनेशभाई के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने दिनेशभाई की हत्या हुई है या फिर उनकी दुर्घटना में मौत हुई है यह मामले में जांच शुरू कर दी है।

दीपावली को लेकर अंतिम खरीदी के लिए लोगों की हौड़

दीपावली के अवसर को ध्यान में लेकर मंगलवार को देर रात तक पटाखे की खरीदी की गई।

अहमदाबाद । बुधवार को दीपावली का शुभ पर्व और खुशी का त्यौहार होने से अहमदाबाद सहित पूरे राज्यभर में दीपावली को लेकर भारी उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। दीपावली-नया साल और भाई दूज के बुधवार से शुरू हो रहे त्यौहारों को लेकर शहर के बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

शहर के भद्र, लालदरवाजा, रतनपोल, विक्टोरिया गार्डन, सीजी. रोड, एसजी हाईवे, रिलीफ रोड, तीन दरवाजा, कालुपूर, सरसपुर, बापूनगर, नरोडा, नारोल, ओढव सहित के मुख्य बाजारों में तो दीपावली के पहले पिछले खरीदी के लिए महिला, बच्चों सहित शहरीजनों में हौड़ मच गई थी। दीपावली, नया साल को लेकर शहर के मुख्य मार्गों, ब्रिज, मंदिरों और बाजार रोशनी से जगमगा उठे तथा आकर्षणों ने दीपावली के माहौल छाया रहा। महंगाई और मंदी का माहौल के बीच भी त्यौहार मनाने के लिए अहमदाबाद शहर सहित राज्य के लोगों ने खरीदी करके गुजरातियों के लिए कही गई बात को साबित कर दिया है। अहमदाबाद शहर के अलावा सूरत, राजकोट, बडौदा, भावनगर, जामनगर सहित के शहरों और राज्यभर में बुधवार से शुरू हो रही दीपावली, नया साल और भाई दूज सहित के त्यौहारों को लेकर बाजारों में खरीदी के साथ उत्साह का माहौल भी जैसे चरमसीमा पर पहुंच गया है। अहमदाबाद शहर में पटाखा बाजार, रेडिमेड कपड़े सहित कपड़ा बाजार, साड़ी-ड्रेस बाजार, मीठाई बाजार, आभूषण और गिफ्ट आर्टिकल बाजार में भारी भीड़ देखने को मिली। दीपावली के त्यौहार कुछ घंटों की खरीदी के लिए महिला, बच्चों सहित शहरीजनों में हौड़ मच गई थी। भद्र, लालदरवाजा, रतनपोल सहित के बाजारों में तो भारी भीड़ लग गई थी। शहर के सीजी रोड, एसजी हाईवे, वस्त्रापुर, गुरुकुल रोड, आश्रम रोड, प्रहलादनगर गार्डन, सेटेलाइट, जोधपुर, शिवरंजनी क्षेत्र के बाजारों और बड़े-बड़े शोरुम और शॉपिंग मॉल्स में कई लुभावनी ऑफर और सेल-सेल के बोर्ड के बीच काफी खरीदी देखने को मिल रही थी।

कालुपूर स्वामीनारायण मंदिर में काली चौदश के अवसर पर हनुमान मंदिर में अन्नकुट दर्शन का आयोजन किया गया।

म्युनिसिपल स्कूलों में शिक्षा की बिगड़ रही स्थिति

म्युनि. स्कूलों में पिछले ४ वर्ष में ४६ हजार विद्यार्थी कम हुए

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल स्कूलबोर्ड संचालित म्युनिसिपल स्कूलों में पिछले कई वर्ष से कोई उच्च अधिकारी तो छोड़ दो, लेकिन सामान्य चपरासी का बेटा भी पढ़ाई नहीं करता है इसका कारण स्मार्ट लर्निंग की ढोल-नगारे बजाकर किए जा रहे दावे के बीच म्युनिसिपल स्कूलों में शिक्षा की लगातार बिगड़ रहा स्तर है। म्युनिसिपल स्कूलों में बच्चों की शिक्षा की बिगड़ रही स्थिति और कम हो रहे विद्यार्थियों की संख्या आश्चर्यचकित करने वाली है, पिछले चार वर्ष में शहर की म्युनिसिपल स्कूलों में ४६ हजार विद्यार्थी कम हो गए है।

इतनी गंभीर और चिंताज नक स्थिति ध्यान में लेकर अब एएमसी और राज्य सरकार के शासक सक्रिय हो तो अच्छा और यह खराब परिस्थिति के निराकरण के लिए अब प्रभावी कदम उठाये ऐसी मांग राज्य के शिक्षाविदों ने की है। म्युनिसिपल स्कूलों में आज भी कक्षा पांच में पढ़ाई करते विद्यार्थी को गुजराती भी बोलना या लिखना नहीं आता है।

दूसरी तरफ स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या में पिछले चार वर्ष में ४६ हजार से ज्यादा विद्यार्थी कम हो गए है। हालांकि प्रशासन तो विद्यार्थियों की लगातार कम हो रही संख्या के लिए नागरिकों में बढ़ रही आर्थिक समृद्धि को भी बताते हैं। जून २०१५ में म्युनिसिपल स्कूलों में १.४८ लाख से ज्यादा बच्चे पढ़ते थे यह शैक्षणिक वर्ष में निजी स्कूल के ४४९८ बच्चों ने एडमिशन लेने पर कुल संख्या १,५२,७७४ होनी चाहिए इसके बदले में ११५०८ बच्चे घटकर १,४१,२६६ बच्चे रजिस्टर्ड हुए थे। इसके बाद के वर्ष में यानी कि वर्ष २०१६ में १४,७५९ बच्चों ने स्कूल छोड़ दी थी। इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए म्युनिसिपल स्कूलबोर्ड के एक सदस्य ने बताया है कि, म्युनिसिपल स्कूलों में जून २०१७ में १,३१,३५३ बच्चे पढ़ते थे इसकी संख्या इस वर्ष में जून २०१८ में सिर्फ १,२४,४८४ बच्चे हो गए हैं। जबकि इस शैक्षणिक वर्ष में निजी स्कूल में कुल ५८०० बच्चों ने म्युनिसिपल स्कूल में एडमिशन लिया है यह प्रशासन का दावा है।

नाम में गलती की घटना में एक महीने में संशोधन हो सकेगा

अहमदाबाद । कक्षा-१० में बोर्ड की परीक्षा बाद मार्कशीट तथा नाम में कोई भी गलती होगी तो एक महीने में ही संशोधन किया जा सकेगा। शिक्षा बोर्ड ने घोषित किए महत्व की गाइडलाइंस में बताया गया है कि, कक्षा-१० की मार्कशीट तथा पूरे नाम में गलती हो तो एक महीने में ही ५०० रुपये भरपायी करके नई मार्कशीट निकाल सकेंगे। इस तरह, मार्कशीट और नाम में गलती की घटना में एक महीने में सुधार किया जा सकेगा। हालांकि, दूसरी तरफ, बोर्ड द्वारा गलती सुधारने के लिए की गई फीस को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में कहीं न कहीं नाराजगी की भावना फैल गई है। इसके अलावा जिस विद्यार्थी की मार्कशीट में पूरा नाम बदलना होगा तो फर्स्ट क्लास मेजिस्ट्रेट के समक्ष अर्जी करनी पड़ेगी। शिक्षा बोर्ड द्वारा ऑनलाइन फॉर्म की तारीखें जारी किए जाने के बाद फॉर्म भरते समय ध्यान रखने के लिए भी जानकारी की घोषणा की गई है, जिसमें बताया गया है कि, स्कूल और विद्यार्थी के नाम, सरनेम, पिता का नाम, जीआर नंबर, जन्मतारीख, अभिभावक की वार्षिक आय, विद्यार्थियों का फोटो आदि में सावधानी रखे। विशेष करके स्पेलिंग में गलती नहीं हो इसका ध्यान रखकर स्कूल और अभिभावक रखे। संभव हो तो विद्यार्थी का आधारकार्ड भी होना चाहिए। विद्यार्थियों को फॉर्म भरने के बाद इसकी प्रमाणित की गई कॉपी भी अपने पास रखने के लिए बोर्ड ने सूचना दी है। बोर्ड द्वारा कक्षा-१० के फॉर्म भरने के लिए एक महीने का समय दिया है। कक्षा-१० में फोर्म भरने की अंतिम तारीख १ दिसम्बर है।

कक्षा-१० में फॉर्म भरने के लिए नियमित विद्यार्थियों के पास से ३२५, १ विषय में रिपीटर के पास से १२०,२ विषय में रिपीटर के पास से १७०, ३ विषय में रिपीटर के पास से २२०, ३ से ज्यादा विषय में रिपीटर विद्यार्थियों के पास से ३१५ और निजी विद्यार्थियों के पास से ६६५ फॉर्म फीस बोर्ड की तरफ से वसूल किया जाएगा।

डभोडिया मंदिर में एक हजार तेल के डिब्बे का अभिषेक

सारंगपुर कष्टभंजन देवमंदिर, महुडी, कैम्प हनुमान सहित के मंदिरों में यज्ञ-होम हवन पूजा सहित के कार्यक्रम

अहमदाबाद। मंगलवार को काली चौदश को लेकर राज्यभर के हनुमानजी और महाकाली मंदिरों में महाआरती, यज्ञ-हवन सहित के भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गांधीनगर जिला के डभोडा में प्रसिद्ध डभोडिया हनुमानजी मंदिर में मंगलवार को काली चौदश के दिन भक्तों द्वारा डभोडिया भगवान को एक हजार तेल के डिब्बे से भव्य अभिषेक किया गया। गत दिन रात को १२ बजे से काली चौदश की शुरूआत हुई यानी कि धनतेरस की रात को १२ बजे भगवान हनुमानजी को १०८ दीए की भव्य महाआरती की गई थी। काली चौदश भगवान हनुमानजी की आरती का विशेष महत्व होने से लाखों की संख्या में भक्त डभोडिया हनुमानजी मंदिर में पहुंचे थे। इसी प्रकार से सारंगपुर के कष्टभंजन देव मंदिर में भी मंगलवार को काली चौदश के अवसर पर सामूहिक यज्ञ पूजन, महाआरती सहित के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महुडी में भी श्री घंटाकर्ण महावीर भगवान का होम-हवन आयोजित किया गया। काली चौदश को मंगलवार के दिन महुडी सहित राज्यभर के हनुमानजी मंदिरों में और महाकाली माता के मंदिरों में देर रात तक भक्तों में दर्शन करने के लिए हौड़ मच गई।

गांधीनगर जिला के प्रसिद्ध चमत्कारिक और एक हजार वर्ष से भी ज्यादा पौराणिक ऐसा डभोडिया हनुमानजी मंदिर में धनतेरस के पवित्र दिन से मेले की शुरूआत हुई थी, यह काली चौदश की रात को १२ बजे पूरी हुई। इस मेले में लाखों भक्तों ने हिस्सा लिया। गत रात को १२ बजे से काली चौदश की शुरूआत हुई तुरंत ही धनतेरस की रात को ही १२ बजे भगवान हनुमानजी को १०८ दीए की भव्य महाआरती की गई थी। धनतेरस की रात को होती काली चौदश भगवान हनुमानजी की होती है यह महाआरती का महत्व होने से इसमें लाखो भक्त पहुंचे थे। मंगलवार को काली चौदश के दिन भक्तों द्वारा डभोडिया हनुमानजी को पांच हजार किलो तेल का भव्य अभिषेक किया गया था। देर रात तक भक्तों में दर्शन करने के लिए हौड़ मच गई। प्रसिद्ध सारंगपुर कष्टभंजन देव में भी काली चौदश के अवसर पर सुबह में पांच बजे भगवान हनुमानजी की भव्य आरती की गई थी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)